पाठ-1

भाषा और व्याकरण
(LANGUAGE AND GRAMMAR)

संसार में हर प्राणी अपने विचारों को दूसरों तक पहुँचाने के लिए किसी न किसी माध्यम को अपनाता है। कोई हँसकर अपने विचारों या भावों को प्रकट करता है तो कोई रोकर। कोई नाच गाकर संगीतमय ढंग से अपनी बात कहता है तो कोई लिखकर। अतः हम कह सकते हैं-

जिस साधन से हम अपने विचार या भाव बोलकर या लिखकर प्रकट करते हैं और दूसरों के विचार सुनकर या पढ़कर समझ सकते हैं, उसे भाषा कहते हैं।

भाषा के दो रूप हैं - मौखिक और लिखित।

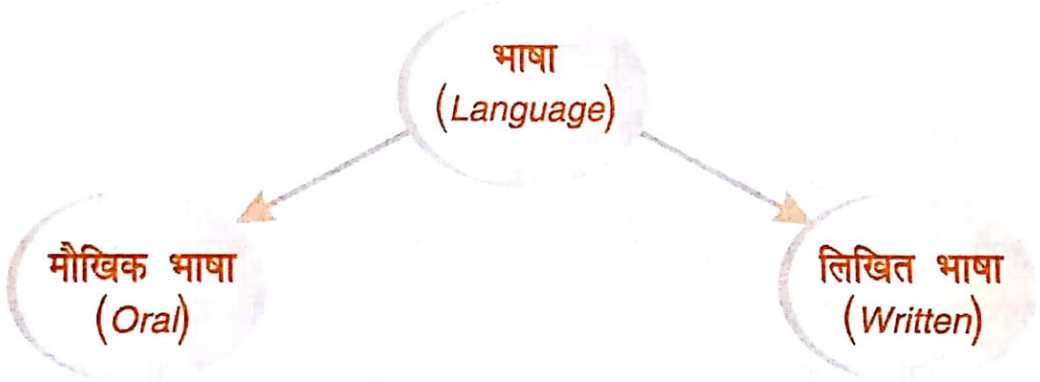

1. **मौखिक भाषा** - मुँह से बोली जाने वाली भाषा मौखिक भाषा कहलाती है। व्यवहार में मौखिक भाषा का प्रयोग ही अधिक होता है। परस्पर वार्तालाप, वाद-विवाद, अध्यापन, उपदेश व भाषण आदि मौखिक भाषा के ही विविध रूप हैं।

फोन पर बात करते हुए

नेताजी भाषण देते हुए

Scanned by CamScanner

2. **लिखित भाषा** - लिखकर अपनी बात या विचार प्रकट करना लिखित भाषा कहलाती है। पत्र लिखना, अध्यापक का श्यामपट्ट पर लिखना, पुस्तकें व समाचार पत्र आदि लिखित भाषा के ही विविध रूप हैं।

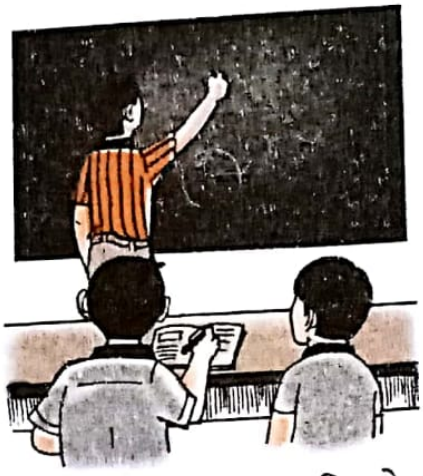

अध्यापक श्यामपट्ट पर लिखते हुए

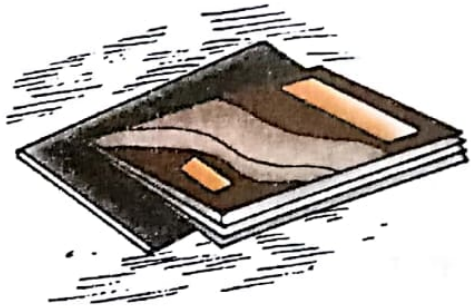

समाचार पत्र व पत्रिकांए

संसार में अनेक भाषाएँ बोली, पढ़ी और लिखी जाती हैं। भारत में सबसे अधिक हिन्दी बोली जाती है। कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से अरूणाचल तक हम कहीं भी जाएँ हिन्दी से हमारा काम चल जाता है। यही कारण है कि भारतीय संविधान में हिन्दी को राजभाषा का सम्मान प्राप्त है। वैसे अलग-अलग राज्यों की अपनी अलग-अलग भाषाएँ हैं। जैसे- पंजाब में पंजाबी, उड़ीसा में उड़िया, महाराष्ट्र में मराठी, गोआ में कोंकिणी, तमिलनाडु में तमिल, आंध्र प्रदेश में तेलगु, गुजरात में गुजराती आदि।

लिपि

मौखिक भाषा को लिखने की विधि लिपि कहलाती है। हिन्दी व संस्कृत की लिपि देवनागरी, अंग्रेजी की रोमन, उर्दू की फारसी तथा पंजाबी की लिपि गुरूमुखी है।

व्याकरण

व्याकरण वह विद्या है जो हमें भाषा के विविध नियमों की जानकारी देती है, भाषा की गलतियों को पकड़ती है तथा उसमें सुधार के तरीके बताती है। शब्द या वाक्य का रूप, अर्थ व प्रयोग ठीक है या नहीं, इसकी जानकारी हमें व्याकरण के द्वारा ही मिलती है। व्याकरण लिंग, वचन और कारक के नियम सिखाती है। भाषा की शुद्धता तथा अशुद्धता की जाँच-पड़ताल करती है।

Scanned by CamScanner

व्याकरण वह शास्त्र है जो हमें भाषा को सही-सही बोलना, पढ़ना, लिखना और समझना सिखाता है।

व्याकरण को तीन प्रमुख भागों में बाँटा जा सकता है।

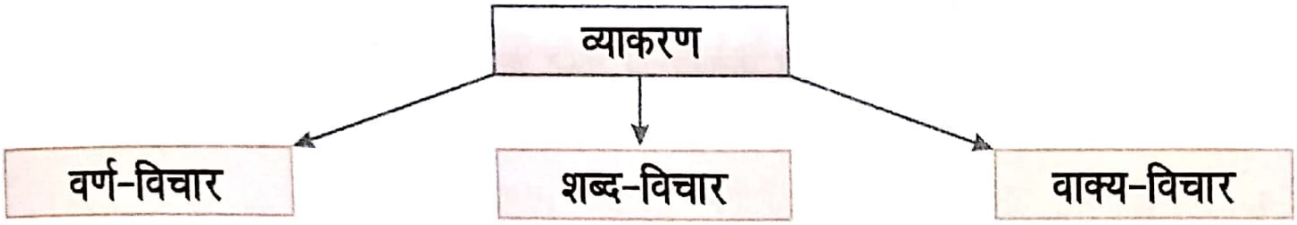

व्याकरण के अन्तर्गत तीनों भागों के नियमों का विस्तृत अध्ययन किया जाता है। ये नियम उच्च कोटि की भाषा सीखने में सहायक होते हैं और उच्च कोटि की भाषा ही साहित्य को गरिमा प्रदान कर सकती है।

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क. भाषा किसे कहते हैं?

.....

.....

ख. भाषा के प्रमुख रूप बताइए।

.....

.....

ग. व्याकरण की परिभाषा लिखिए।

.....

.....

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

क. भाषा वह ..... है जिसके द्वारा हम अपनी बात प्रकट करते हैं।

ख. वह छोटी से छोटी ध्वनि जिसके टुकड़े न किए जा सकें ..... कहलाती है।

ग. वर्ण, शब्द तथा ..... व्याकरण के अंग हैं।

घ. ..... भाषा का शुद्ध रूप सिखाता है।

ङ. भाषा के लिखने का ढंग ..... कहलाता है।

BANDOPADHYAY MEMORIAL LIBRARY
Krishnagar Academy

Scanned by CamScanner

3. वाक्यों के सामने सही (✓) और गलत (✗) का निशान लगाइए।

क. भारत में केवल हिन्दी बोली जाती है। ( )

ख. भाषा के बिना भी हम अपने विचार प्रकट कर सकते हैं। ( )

ग. सार्थक शब्दों का समूह वर्णमाला कहलाता है। ( )

घ. हम अपने विचारों को केवल बोलकर ही प्रकट कर सकते हैं। ( )

ङ. हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा है। ( )

4. निम्नलिखित भाषाओं का उनकी लिपियों से सही मिलान कीजिए।

हिन्दी	फारसी
पंजाबी	रोमन
अंग्रेजी	देवनागरी
उर्दू	गुरूमुखी
संस्कृत	देवनागरी

5. भारत के निम्न राज्यों में बोली जाने वाली भाषाओं का नाम लिखिए।

महाराष्ट्र ..... राजस्थान ·.....

पंजाब ..... आन्ध्र प्रदेश .....

गोआ ..... उड़ीसा .....

6. प्रत्येक के सामने लिखिए कि वह भाषा का कौन सा रूप है।

क. समाचार पत्र .....

ख. टेलीफ़ोन पर बातचीत .....

ग. पुस्तकें .....

घ. दूरदर्शन से समाचार .....

ङ. सी-डी रॉम (CD-ROM) .....

च. फैक्स .....

छ. ऑडियो कैसेट .....

ज. कम्प्यूटर का प्रिंट-आउट .....

झ. नेताजी का भाषण .....

Scanned by CamScanner